International Journal of Home Science 2024; 10(2): 191-198

ISSN: 2395-7476
IJHS 2024; 10(2): 191-198
© 2024 IJHS
www.homesciencejournal.com
Received: 14-05-2024
Accepted: 16-06-2024

माधुरी पाल
असिस्टेंट प्रोफेसर, गृह विज्ञान विभाग, कुमारी मायावती राज.महिला स्नातकोत्तर महाविधालय, बादलपुर, गौ.बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, भारत

डॉ. उमा जोशी
प्रोफ़ेसर, गृह विज्ञान विभाग, वी.एम.एल.जी कॉलेज गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश, भारत

Corresponding Author:
माधुरी पाल
असिस्टेंट प्रोफेसर, गृह विज्ञान विभाग, कुमारी मायावती राज.महिला स्नातकोत्तर महाविधालय, बादलपुर, गौ.बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, भारत

शिक्षा संवर्धन: ऑनलाइन शिक्षा के परिपेक्ष्य में अध्यापकों का सकारात्मक दृष्टिकोण

माधुरी पाल, डॉ. उमा जोशी

DOI: https://doi.org/10.22271/23957476.2024.v10.i2c.1622

सारांश
शिक्षा मानव जीवन का बहुमूल्य एवं वास्तविक पूंजी है।शिक्षा के माध्यम से ही मानव जीवन का पूर्णता विकास संभव है । वर्तमान समय में ऑनलाइन शिक्षा सामूहिक चेतना एवं शिक्षा के क्षेत्र में उत्तरोत्तर वृद्धि करने का महत्वपूर्ण कारक है। ऑनलाइन शिक्षण पद्धति ने विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच संबंधों को नई दिशा प्रदान की है और शिक्षा में सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ाया है । ऑनलाइन शिक्षा ने विभिन्न शिक्षा साधनों का उपयोग करके दूरस्थ शिक्षा को प्रोत्साहन दिया है । यह शिक्षा छात्रों को जगह और समयके बंधन से मुक्ति प्रदान करती है तथा इसके साथ-साथ विभिन्न शैलियों में शिक्षा प्रदान करने का नया तरीका भी उपलब्ध कराती है। शिक्षा प्रक्रिया ने शिक्षा में विभिन्नता एवं विविधता को बढ़ाया है और विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञों द्वारा शिक्षा प्रदान करने की संभावना को मजबूती प्रदान की है। शिक्षा के संवर्धन में ऑनलाइन शिक्षा पद्धिति का योगदान सकारात्मक दृष्टिकोण में प्रदर्शित हो रहा है है। यह विधि छात्रों को विद्या और ज्ञान में रुचि बढ़ाने का साधन प्रदान करने के साथ-साथ यह शिक्षा के क्षेत्र में नए और सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है । शिक्षकों के लिए ऑनलाइन शिक्षा ने छात्र-अध्यापक संबंधों को मजबूती से बनाए रखने का साधन प्रदान किया है । इसके द्वारा शिक्षक छात्रों के साथ परस्पर संवादात्मक तरीके से जुड़ सकते हैं और विभिन्न शिक्षा साधनों का उपयोग करके पाठ्यक्रम को रोजगारपरक बना सकते हैं । ऑनलाइन माध्यम से शिक्षकों में निरंतर उत्साह की स्थिति बनी रहती है और उन्हें अपने छात्रों को समझने और उन्हें अधिक से अधिक सीखने के लिए प्रेरित करने का एक माध्यम मिलता है । शिक्षण संवर्धन में ऑनलाइन शिक्षा का सकारात्मक योगदान निरंतर बढ़ रहा है । ऑनलाइन शिक्षा का यह दौर शिक्षार्थियों को स्थानीय,राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेमिसाल शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराता है जिससे वे अपने कैरियर की दिशा में नवीन ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकते हैं ।

कुटशब्द: ऑनलाइन शिक्षा, शिक्षण, शिक्षक, गुणवत्तापूर्ण, तकनीकी, डिजिटल, प्रौद्योगिकी, इंटरनेट, ई-लर्निंग, शिक्षार्थी

प्रस्तावना

शिक्षा को प्राचीन समय से ही गरिमामयी जीवन जीने का मूलभूत कारक माना गया है । शिक्षा एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है सीखना या सिखाना । शिक्षा मनुष्य को बौद्दिक शक्ति प्रदान करती है। शिक्षा मानव समाज की सबसे महत्वपूर्ण और सुधारक शक्ति है जो व्यक्ति को केवल ज्ञान अर्जन का अधिकार नहीं देती बल्कि उसे समाज में सकारात्मकपरिवर्तन लाने की क्षमता भी प्रदान करती है । शिक्षा का संवर्धन न केवल एक व्यक्ति के व्यक्तिगत विकास में सहायक होता है, बल्कि समाज के स्तर पर भी एक सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान प्रदान करता है । शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें विद्या और अनुभव के माध्यम से व्यक्ति को ज्ञान,संस्कार और कुशलता प्राप्त होती है,जिससे वह समाज में गुणवत्तापूर्ण एवं रचनात्मक परिवर्तन करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है ।

वर्तमान युग परिवर्तन का युग है, आज के सामाजिक और तकनीकी परिवर्तन के साथ-साथ, शिक्षा में भी कई परिवर्तन हुए हैं, और इसका एक प्रमुख हिस्सा 'ऑनलाइन शिक्षा' है । आज की तकनीकी युग में शिक्षा का स्वरूप बदल रहा है और इसमें "ऑनलाइन शिक्षा"का एक महत्वपूर्ण स्थान है । ऑनलाइन शिक्षा ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति की ओर कदम बढ़ाया है, जिससे छात्रों को नए और सुविधाजनक तरीके से ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिला है। इसके साथ ही, अध्यापकों की भी भूमिका बदल रही है । ऑनलाइन सीखने तथा सिखाने की यह क्रांति केवल डिजिटल प्लेटफार्म को अपनाने के बारे में नहीं है; यह शिक्षा को देखने के हमारे नजरिये में एक आदर्श बदलाव है । इस परिवर्तन के केंद्र बिन्दु है 'शिक्षक' जो आभासी कक्षाओं का संचालन करते हैं और सकारात्मक बदलाव लाते हैं । 'ऑनलाइन शिक्षा' के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण रखना भी महत्वपूर्ण है।

विज्ञान, तकनीक, और इंटरनेट के विकास ने शिक्षा के क्षेत्र में भी बदलाव की राहें खोली हैं । शिक्षा, मानव समाज की सबसे महत्वपूर्ण और सुधारक शक्ति है, जो व्यक्ति को केवल ज्ञानार्जन करने का अधिकार ही नहीं देती है, बल्कि ऑनलाइन शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जो छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो आधारभूत शिक्षा की कमी के कारण शिक्षा से वंचित हैं । ऑनलाइन शिक्षा क माध्यम से, छात्र अपनी स्थान, समय और साधन की चुनौतियों को पार कर सकते हैं और उन्हें उच्चतम शैक्षिक स्तर तक पहुँचने का सुअवसर मिलता है । इसके अलावा, ऑनलाइन शिक्षा छात्रों को नवीनतम तकनीकी उपायों का अध्ययन करने और उन्हें अपनी शैक्षिक यात्रा में सुरक्षित रखने का भी मौका प्रदान करती है । ऑनलाइन शिक्षा ने शिक्षा के प्रणाली को सशक्त बनाया है । ऑनलाइन शिक्षा छात्रों को गरीबी, स्थान की परेशानी, और समय की कमी के चलते भी शिक्षा प्राप्त करने का अवसर देती है । ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से छात्र अपनी आत्म-अध्ययन क्षमता को विकसित कर सकते हैं और उन्हें विशेषज्ञता प्राप्त करने का सुअवसर मिलता है।

ऑनलाइन शिक्षा (ई -लर्निंग) की अवधारणा

ऑनलाइन शिक्षा इंटरनेट का उपयोग करके कंप्यूटर, मोबाइल, लैपटॉप आदि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से ज्ञान और कौशल प्राप्त करने की एक प्रक्रिया है । "ऑनलाइन शिक्षा" शिक्षकों तथा मेंटर्स के लिए तथा सभी छात्रों हेतु अधिक कुशलता से सीखना संभव बनाती है । जो छात्र अब पारंपरिक नियमित कक्षाओं में भाग नहीं ले सकते वे इंटरनेट का उपयोग करके कहीं से भी आवश्यकता के अनुसार कुछ भी सीख सकते हैं ।

ऑनलाइन शिक्षा, शिक्षा की वह पद्धति है जिसने समय सीमा की बाध्यता, स्थान की बाध्यता को पूर्णता समाप्त कर दिया है । इस प्रक्रिया में छात्र एवं छात्राएं रिकार्डिड व्याख्यान, ई-कंटेंट एवं वीडियोज के माध्यम से अध्ययन कर सकते हैं, ऑनलाइन शिक्षा को ई-लर्निंग, डिजिटल शिक्षा भी कहा जाता है ।

वर्तमान समय को सूचना क्रांति का युग कहां एवं माना जाता है । ऑनलाइन शिक्षण, शिक्षा का एक बड़ा स्रोत बन गया है, जो छात्रों के लिए हर समय उपलब्ध है । उपकरणों एवं प्रौद्योगिकी के अविश्वसनीय आविष्कार

और इंटरनेट की उपलब्धता के माध्यम से छात्रों के लिए किसी भी समय कहीं से भी कुछ भी सीखना अधिक लचीला हो गया है । इंटरनेट समाज के प्रत्येक क्षेत्र में उपलब्ध है, इंटरनेट आधारित शिक्षा को आभासी शिक्षा भी कहा जाता है ।

ऑनलाइन भारतवर्ष में ऑनलाइन शिक्षा को वैधानिक दर्जा सन् 1993 में दिया गया, वास्तव में ऑनलाइन शिक्षा की संकल्पना बहुत पुरानी है। भारत में ऑनलाइन शिक्षा को 2004-2005 से उपयोग में लाया जा रहा है लेकिन विभिन्न प्रयासों के अपर्याप्त होने के कारण अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हुए क्योंकि यह अवधारणा कई लोगों को अधिक आकर्षित नहीं कर पाई थी । धीरे-धीरे समय विस्थापन और नई प्रौद्योगिकी एवं संचार क्रांति के आगमन से भारत में ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में पर्याप्त वृद्धि दृष्टिगत होती है । लगभग 20 साल पहले ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने हेतु एक उचित तरीका एवं मध्यम विकसित करना एक बहुत ही चुनौती पूर्ण कार्य था । वर्ष 2008 में शिक्षा उद्योग में ई-लर्निंग के क्षेत्र बड़ा बदलाव आया । शिक्षण संस्थानों में स्मार्ट क्लासरूम को उपयोग में लाया जाने लगा परंतु या सीमित संस्थानों में ही उपयोग में लाया जा रहा था । इस समय भी छात्रों एवं शिक्षकों में ऑनलाइन शिक्षा के प्रति रुझान एवं रुचि नहीं ली जा रही थी । ऑनलाइन शिक्षा के साथ-साथ पारंपरिक वीडियो से आमने-सामने बैठकर सीखना, सीखने को प्रारंभ करना एक मुश्किल काम प्रतीत होता था । 2015 में देश में विभिन्न प्लेटफार्म को लाया गया जिससे ऑनलाइन शिक्षा की दिशा में एक विशेष एवं क्रांतिकारी परिवर्तन आया जिससे 'ऑनलाइन शिक्षा' शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ा नव- प्रवर्तन सिद्ध हुयी । ऑनलाइन शिक्षा छात्रों हेतु पाठ्यक्रमों के विभिन्न विकल्प उपलब्ध कराती है । छात्र अपने बौद्दिक कौशल को बढ़ाने के लिए भी ऑनलाइन शिक्षा का उपयोग कर रहे हैं ।

ऑनलाइन शिक्षा का महत्व

वर्तमान परिदृश्य में तेजी से बदलते दौर में ऑनलाइन शिक्षा का महत्व बढ़ता जा रहा है । ऑनलाइन शिक्षा ने शिक्षा की प्रणाली को सशक्त बनाया है । यह एक ऐसा माध्यम है जो शिक्षा को सरल और सुगम बनाती है । ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से छात्र अपनी आत्म अध्ययन क्षमता को विकसित कर सकते हैं और उन्हें विशेषज्ञता प्राप्त करने का अच्छा अवसर मिलता है । ऑनलाइन शिक्षा में ऐसे कई कारण है जो छात्रों शिक्षको और समाज के लिए अर्थपूर्ण हैं । ऑनलाइन शिक्षा में विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव लाया है और नौकरियों के क्षेत्र में भी नई अवसर का निर्माण किया है । ऑनलाइन शिक्षा छात्रों को विभिन्न विषयों और विषय विशेष सभ्यता की दिशा में ले जाने में मदद करती है ।

1. ऑनलाइन शिक्षा छात्रों को स्वतंत्रता देता है और उन्हें अपने अध्ययन का समय और तरीके स्वयं निर्धारित करने की सुविधा भी प्रदान करती है। ऑनलाइन शिक्षा ने गंभीरता से सामाजिक दूरी को कम किया है । छात्र अपने घर से ही विभिन्न शिक्षण संस्थानों के कोर्सो का अध्ययन कर सकते हैं जिससे यात्रा और स्थानांतरण के खर्च को काम किया जा सकता है। ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के कारण शिक्षा से वंचित छात्रों को भी सीखने का मौका मिलता है ।
2. ऑनलाइन शिक्षा ने शिक्षा को विभिन्न भूमिकाओं में प्रवेश कराया है और छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों के विषयों में सीखने का अवसर प्रदान किया है। छात्रों को उनकी रुचियां के अनुसार अध्ययन करने का मौका मिलता है जिससे वह अध्ययन को अधिक रुचिकर बना सकते हैं इससे उन्हें उच्चतम शिक्षा की ओर पहुंचने का मौका मिलता है। विशेष कर विभिन्न भूमिकाओं और स्थान से दूर रहने वाले छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा लाभकारी होती है ।
3. ऑनलाइन शिक्षा से छात्रों को तकनीकी कौशल, नवीनतम तकनीकी ज्ञान एवं उपाय ऑनलाइन सहायता और सही तरीके से डिजिटल सामग्री का उपयोग करने का अवसर मिलता है जिससे उन्हें दुनिया भर में रहने वाले लोगों के साथ संपर्क स्थापित करने का अवसर भी मिल जाता है। इससे उनके दृष्टिकोण में विशेष बदलाव होता है और वह

ग्लोबल समाज का हिस्सा बनते हैं तथा डिजिटल युग हेतु स्वयं को सक्षम बनाते हैं ।

4. ऑनलाइन शिक्षा में शिक्षक छात्रों केसाथ आपसी संवाद को बढ़ावा देते हैं और उन्हें व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। शिक्षकों का सकारात्मक दृष्टिकोण छात्रों को सहयोगी बनने के लिए प्रेरित करता है और उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने के लिए भी प्रेरित करता है। ऑनलाइन शिक्षा में अध्यापक शिक्षार्थियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हैं। वे छात्रों को सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों के बारे में भी शिक्षित करते हैं।
5. ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से शिक्षक छात्रों के साथ एक-एक कर संवाद कर सकते हैं और उनकी रुचियां आत्मविश्वास और शिक्षा के प्रति उत्साह को समझ सकते हैं। इससे शिक्षक शिक्षार्थियों को उनकी विशेषताओं के आधार पर व्यक्तिगत रूप से मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं । ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से छात्र अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त कर सकते हैं और शिक्षक छात्रों की मदद करने के लिए तत्पर रहते हैं ।

अध्यापकों का योगदान

ऑनलाइन शिक्षा ने हमारी शिक्षण प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव लाया है जिसमें शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान है। अध्यापकों का कार्य क्षेत्र ऑनलाइन शिक्षा में नए रूप में परिवर्तित हो गया है । वह छात्रों के साथ ऑनलाइन माध्यम से संवाद करते हैं और उन्हें नए तथा सुरक्षित तरीकों से शिक्षा देने के लिए शैक्षिक तकनीकी साधनों का प्रयोग करते एवं करवाते हैं । ऑनलाइन शिक्षा में छात्रों को अधिक स्वतंत्रता और जिम्मेदारी होती है और इसमें अध्यापकों की महत्वपूर्ण भूमिका भी होती है ताकि वे छात्रों का उनके अध्ययन की दिशा में मार्गदर्शन कर सकें । इस युग में तकनीकी उन्नति हमारे समाज एवं शिक्षा जगत को बदल रही है साथ ही अध्यापक भी नए रूप में अपना कार्य संपन्न कर रहे हैं और छात्रों को नई दिशाएं दिखा रहे हैं । ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करने का प्रचलन बढ़ रहा है और इसमें अध्यापकों का योगदान उत्कृष्ट एवं सराहनीय है ।

व्यक्तिगत सहायता

ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से अध्यापक शिक्षार्थियों पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने में सक्षम हो जाता है। अध्यापक ऑनलाइन बदलाव के साथ छात्रों को व्यक्तिगतरूप से भी सहायता प्रदान करते हैं । ऑनलाइन माध्यम से अध्यापक प्रत्येक छात्र-छात्रा के साथ व्यक्तिगत रूप से संपर्क स्थापित करते हैं । जिससे प्रत्येक शिक्षार्थी को अपने विचार व्यक्त करने का अवसर मिलता है । शिक्षकों का शिक्षार्थियों से सीधा संपर्क स्थापित होने से अध्ययन के क्षेत्र में मार्गदर्शन करने में मदद प्रदान करता है तथा छात्रों को उनके प्रश्नों का उत्तर प्राप्त होने में भी आसानी होती है।

तकनीकी सुनिश्चितता

ऑनलाइन शिक्षा के अध्यापकों को तकनीकी कुशलता एवं उपकरणों के संचालन के क्षेत्र में प्रवीण होना चाहिए ताकि वे ऑनलाइन शिक्षा के साधनों का उपयोग कर सके। वर्तमान समय में अध्यापक तकनीकी कुशलता के क्षेत्र में प्रवीण होते हैं और इसे शिक्षा के क्षेत्र में लागू करते हैं इससे शिक्षार्थियों हेतु नवीनतम तकनीकी डाटा और सामग्री पहुंचाने में मदद होती है। अध्यापक ऑनलाइन शिक्षा में प्रयुक्त तकनीकों का प्रशिक्षण प्रशिक्षार्थियों को प्रदान करते हैं। इंटरनेट एवं विभिन्न तकनीकों का सही इस्तेमाल सीखते हैं जिससे उनके ज्ञान और समझ दोनों में वृद्धि होती है ।

विकासशील शिक्षण विधियाँ

ऑनलाइन माध्यम में अध्यापक नई और सुधारित शिक्षण विधियों एवं प्रौद्योगिकी का अनुसरण करते हैं वह विभिन्न प्रकार के डिजिटल प्लेटफार्म एवं डिजिटल उपकरणों तथा साधनों द्वारा शिक्षण सामग्री को शिक्षार्थियों को उपलब्ध कराते हैं,जो छात्रों को अध्ययन हेतु सकारात्मक रूप से प्रेरित करती है तथा नवीन दृष्टिकोण प्रदान करती है इससे शिक्षार्थियों को नई एवं

रोचक जानकारी तथा उनकी रुचियां के अनुसार शिक्षा मिलती है। ऑनलाइन
शैक्षिक माध्यम के उपयोग द्वारा शिक्षकों की दक्षता में सुधार होता है।

उत्कृष्ट शिक्षा

उत्कृष्ट शिक्षा एक समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह छात्रों को केवल उच्च कोटि का ज्ञान ही प्रदान नहीं करती बल्कि सोचने समझने की शक्ति में वृद्धि करती है,एवं समस्याओं का समाधान खोजने की शक्ति भी प्रदान करती है। अध्यापक नई-नई तकनीकी द्वारा गुणवत्तापूर्ण विषयवस्तु, शैक्षिक वीडियोज इत्यादि का अध्ययन करके शिक्षार्थियों को जानकारी उपलब्ध कराते हैं और शिक्षा के क्षेत्र में नवीनतम विकास को ध्यान में रखकर छात्रों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करते हैं।

शिक्षण सामग्री का समीक्षण

अध्यापक ऑनलाइन उपलब्ध शिक्षण सामग्री का अवलोकन व समीक्षा करके शिक्षार्थियों को अध्ययन हेतु पहुचाने में सहायक होते हैं। वे उच्च गुणवत्ता वाली नई और उपयुक्त शिक्षण सामग्री का निरीक्षण करने में समर्थ होते है। ऑनलाइन शिक्षा में शिक्षक विभिन्न विषयों और ग्रेडो के लिए शिक्षण सामग्री की गुणवत्ता,संरचना और उपयोगिता का स्वयं मूल्यांकन करते हैं जिससे छात्रों को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलती है। छात्रों को सीधे व सरल माध्यम से शिक्षित करते हैं वह यह निर्धारित करते हैं कि इसका उद्देश्य छात्रों को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करने हेतु किया जाना है। शिक्षक यह सुनिश्चित करते है कि अध्ययन सामग्री स्पष्ट संरचित हो जिससे छात्रों को उचित मार्गदर्शन प्राप्त हो सके।

स्वायत्तता की सीख तथा संवेदनशीलता

ऑनलाइन शिक्षा में अध्यापक छात्रों को स्वायत्तता की महत्वपूर्णता सिखाते हैं यह छात्रों को स्वतंत्रता के साथ सोचने और समझने तथा नई समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रेरित करते हैं। ऑनलाइन शिक्षा में अध्यापकों की संवेदनशीलता और संवेदना का योगदान भी महत्वपूर्ण है। अध्यापक अपने विद्यार्थियों के सहायक बनते हैं उनकी समस्याओं का समाधान निकालने में मदद करते हैं।

प्रगतिशील मूल्य

अध्यापक ऑनलाइन शिक्षा में प्रगतिशील मूल्यों को बढ़ावा देते हैं। वह विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने के मार्ग दिखाते हैं और उन्हें अपनी संभावनाओं को साकार करने में सहायक बनाते है। अध्यापक व्यक्तिगत रूप से संवेदनशीलता और प्रगतिशील मूल्यों के साथ काम करके विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य की ओर बढ़ने में मदद करते हैं।

शिक्षा की वृद्धि में समर्थन

अध्यापकों के बिना शिक्षा जगत की कल्पना भी नहीं की जा सकती है।शिक्षा की वृद्धि में अध्यापक सकारात्मक समर्थन प्रदान करते हैं जो छात्रों को उनके शिक्षण कार्य में मदद करता है और उन्हें प्रोत्साहन प्रदान करता है। अध्यापक छात्रों को निरंतर उत्साहित करने में मदद करते हैं और उन्हें शिक्षा में निरंतर वृद्धि और उन्नतिशील बनाने की दिशा में अग्रसर करते हैं तथा प्रेरणा प्रदान करते हैं। ऑनलाइन शिक्षा में अध्यापकों का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। ऑनलाइन शिक्षा ने अध्यापकों को एक नया और सशक्त क्षेत्र प्रदान किया है जिसमें वह अपने विद्यार्थियों के साथ एक मजबूत संबंध बनाते हैं और उन्हें सही मार्ग पर गाइड करते हैं। ऑनलाइन शिक्षा में अध्यापकों का योगदान शिक्षा के क्षेत्र में एक नई ऊंचाई तक पहुंच रहा है। उनका संबंधपूर्ण उत्साही और विकासशील प्रदर्शन छात्रों को समृद्ध बनाने में मदद करता है और इसे एक सहज और सकारात्मक अनुभव में बदलता है। ऑनलाइन शिक्षा में अध्यापकों का योगदान सिर्फ शिक्षा के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि समृद्धि और समाज में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ऑनलाइन शिक्षा के सकारात्मक पहलू

समय की विशेषता एवं अनुकूलन-- ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से शिक्षा प्रदान करने में शिक्षकों हेतु समय की अधिक विशेषता होती है क्योंकि वे विभिन्न समय तथा क्षेत्रों के छात्रों के साथ एक ही समय पर संवाद कर सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा की प्रक्रिया में शिक्षक छात्र की विशेष जरूरत और गतिविधियों के आधार पर अधिक अनुकूलन कर सकते हैं, जिससे छात्र अपनी गतिविधियों में सुधार कर सकते हैं और विद्यार्थी की व्यक्तिगत प्रगति हो सकती है । ऑनलाइन शिक्षा में छात्रों को घर से ही शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हो जाता है जिससे शिक्षा ग्रहण करने हेतु शैक्षिक संस्थान की यात्रा के दौरान उपयोग होने वाले समय की बचत हो जाती है।

विशेषज्ञता एवं विकसित दक्षता-शिक्षक अपने क्षेत्र की विशेषज्ञता प्राप्त करके छात्रों को उच्च स्तर की जानकारी प्रदान कर समृद्धि का मौका देते हैं । छात्र अपनी रुचियां एवं लक्ष्यों के मुताबिक कोर्स चुन सकते हैं । जिससे उन्हें अपने रोजमर्रा के जीवन में उच्चतम रूप से समर्थ होने का सुविधाजनक अवसर प्राप्त हो जाता है। ऑनलाइन शिक्षा शिक्षकों को नवीनतम तकनीकी उपाय और शिक्षा तंत्र का समर्थन करने में मदद करती है, जिससे शिक्षकों की दक्षता में सुधार होता है और वह अपने छात्रों को बेहतर रूप से प्रशिक्षित कर सकते है ।

नई शिक्षा तकनीकी सहायता एवं सहज उपयोग-शिक्षक ऑनलाइन माध्यम का सही तरीके से उपयोग करके विभिन्न शिक्षण तकनीक का समर्थन कर सकते हैं। इससे छात्रों के ज्ञान में समृद्धि होती है और वह अपने अध्ययन को रुचिकर बना सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा ने छात्रों को तकनीकी ज्ञान और उनकी आत्म-सहायता की क्षमताओं में सुधार करने का मौका दिया है। यह माध्यम विभिन्न डिजिटल उपकरणों एवं संसाधनों का उपयोग करके छात्रों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित एवं तैयार करता है और डिजिटल उपयोग हेतु सक्षम बनाता है। ऑनलाइन शिक्षा ने उच्च तकनीकी संभावनाओं का उपयोग करके छात्रों को नए स्तर की शिक्षा प्रदान की है । परस्पर सम्वादात्मक (इंटरएक्टिव) तकनीकी उपकरणों द्वारा अध्ययन-अध्यापन विधि छात्रों को नए और सुधारित तरीकों से सीखने का अवसर प्रदान करती है ।

विद्यार्थी केंद्रित शिक्षा-ऑनलाइन शिक्षा विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षा है,जिसके माध्यम से छात्रों को व्यक्तिगत रुचियां के अनुसार शिक्षा मिलती है । ऑनलाइन शिक्षा द्वारा छात्रों को अपनी पढ़ाई हेतु स्थानीय और वैश्विक (ग्लोबल) समाज का अनुकरण करने में स्वतंत्रता और सहायता प्राप्त होती है। ऑनलाइन शिक्षा व्यक्तिगत,मौखिक, लिखित और साक्षरता कौशल को विकसित करती है, जो छात्रों को अपनी शिक्षा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने हेतु सक्षम बनाती है । विद्यार्थियों को अपनी प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए अध्ययन करने का अवसर प्राप्त होता है । ऑनलाइन शिक्षा विद्यार्थियो की विशेषज्ञता में वृद्धि करने के लिए स्वतंत्रता प्रदान करती है और उन्हें अपनी का अधिक गहराइयों से अध्ययन करने का अवसर देती है । इससे विद्यार्थी अपने अध्ययन की केंद्रित धारा में विकसित हो सकते हैं और अपने शिक्षा के अनुभव को अनुकरणीय बना सकते हैं ।

विद्यार्थी सक्षमता और रिवर्स लर्निंग–ऑनलाइन शिक्षा ने विद्यार्थियों को सक्षमता विकसित करने का मौका प्रदान किया है, जिससे वह नए और अद्वितीय पहलुओं के माध्यम से अपनी गुणवत्ता को सुधार सकते हैं । ऑनलाइन शिक्षा द्वारा छात्रों को विभिन्न एवं विशिष्ट क्षेत्रों में अद्वितीय ज्ञान प्राप्त करने का मौका मिलता है । रिवर्स लर्निंग के उपयोग से विद्यार्थी अधिक एवं आसानी से सीख सकते हैं और नए सीखने के तरीकों को अपना सकते हैं । ऑनलाइन शिक्षा छात्रों को आजीवन सीखने(लाइफलॉन्ग लर्निंग),नौकरियां और समस्याओं का सामना करने के लिए तैयार करती है । इससे वह अपने जीवन भर में अध्ययन,नौकरी औरउनके चयन के क्षेत्र में सुधार करने के लिए सक्षम हो सकते हैं ।

सहज व सहयोगी अनुसंधान का अवसर – ऑनलाइन शिक्षा ने अनुसंधान के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन

लाया है और छात्रों को उन्नत दृष्टिकोण से अवगत कराया है । ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से छात्र अनुसंधान के क्षेत्र में और विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए विभिन्न माध्यमों से अध्ययन कर सकते हैं । ऑनलाइन लाइब्रेरी, वेबीनार और अनुसंधान के माध्यम से वे नवीनतम रिसर्च के विकास में शामिल हो सकते हैं। छात्रों को निष्कर्षिता और उदारता के साथ अनुसंधान करने का अवसर प्राप्त होता है जिससे वे नए और विविध विचारों से परिचित होते हैं ।ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से होने वाले समृद्ध आकस्मिकता के कारण छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुसंधान को साझा करने का एक नया तरीका प्राप्त हो रहा है । ऑनलाइन शिक्षा ने अनुसंधान के क्षेत्र में सामाजिक प्रभाव को बढ़ाया है । छात्र विभिन्न सामाजिक मुद्दों और समस्याओं के संदर्भ में अध्ययन करते हैं और उन्हें समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का सामना करने का अवसर मिलता है । ऑनलाइन शिक्षा ने सहयोगी अनुसंधान को प्रोत्साहित किया है जिससे छात्र और शिक्षकों का संयोजन होता है । यह समृद्धिशील ज्ञान साझा करने का माध्यम बनता है और अनुसंधान की गति में वृद्धि करने का अवसर प्रदान करता है ।

स्वयं सीखने की क्षमता– ऑनलाइन शिक्षा छात्रों को स्वयं सीखने की क्षमता प्रदान करती है, जिससे वह स्व-निर्देशित सीखने की दिशा की ओर अग्रसर हो सकते हैं । ऑनलाइन शिक्षा छात्रों को स्वतंत्रता और निश्चितता की भावना देती है और उन्हें अध्ययन को अपनी शैली में पूर्ण करने का अवसर प्रदान करती है। ऑनलाइन शिक्षा छात्रों को आत्म नियंत्रण का अवसर प्रदान करती है, क्योंकि वह अपने स्वयं की आत्मशिक्षा में सहायक हो सकते हैं और शिक्षा के लिए अधिक स्वतंत्रता महसूस कर सकते हैं। ऑनलाइन शिक्षा द्वारा छात्रों को अपनी पढ़ाई को स्वतंत्रता से निर्देशित करने का अवसर मिलता है जिससे वह अधिक संवेदनशील और स्वायत्त बन सकते हैं । इसके साथ ही, ऑनलाइन साधन और टूल्स की सहायता से उन्हें शिक्षा सहजता से मिल जाती है ।

निष्कर्ष

ऑनलाइन शिक्षा ने शिक्षा को नई दिशा में ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है और शिक्षकों एवं शिक्षार्थियों को सकारात्मक रूप से जोड़कर एक उत्कृष्ट एवं रोचक शिक्षा का अनुभव प्रदान किया है । ऑनलाइन शिक्षा का यह नया दौर शिक्षा के क्षेत्र में नवीन एवं विश्वनीय संभावनाओं को उजागर करता है और शिक्षार्थियों को विभिन्न संभावनाओं को मार्ग दिखाया है जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है तथा छात्र अपने कैरियर की दिशा में नई ऊँचाइयों को प्राप्त कर सकते हैं । ऑनलाइन शिक्षा द्वारा विभिन्न विकासशील तकनीक, अध्ययन-अध्यापन के तरीकों में भी सकारात्मक परिवर्तन देखा जा सकता है ।वर्तमान समय में हम शिक्षा प्राप्त करने एवं ग्रहण करने की विधियों में व्यापक परिवर्तन देख सकते हैं जो कि ऑनलाइन / ई-शिक्षा का परिणाम है ।

सन्दर्भ सूची

1. रामगोपाल, सिंह,वी. , अग्रवाल ,ए (2021) .इंपैक्ट ऑफ़ ऑनलाइन क्लासेस ऑन द सेटिस्फैक्सन एंड परफॉर्मेंस ऑफ स्टूडेंट्स ड्यूरिंग द पैंडेमिक पीरियड ऑफ़ कोविड.19- एजुकेशन एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी (2021) https://doi.org/10.1007/s10639-021-10523-1
2. जोशी, पी., देवांगन, डॉ .एस (2021) ."इंपैक्ट एंड डेवलपमेंट ऑफ़ ऑनलाइन एजुकेशन (ई-लर्निंग) इन इंडिया", जर्नल ऑफ़ कंटेम्पररी इशू इन बिजनेस एंड गवर्नमेंट. https://cibg.org.au
3. अलमहासीस, जेड,.मोहसिन ,के एच. और आमिन मों .ओ (2021) ."फैकेल्टी एंड स्टूडेंट्स परसेप्शन्स ऑफ़ ऑनलाइन लर्निंग ड्यूरिंग कोविड-19" – **Doi:**10.3389/feduc.2021.638470 www.frontiersin.org
4. बाबर, एच. (2020) डिटर्मिननेंट ऑफ स्टूडेंट पर्सीव्ड लर्निंग आउटकम एंड सेटिस्फैक्सन इन ऑनलाइन लर्निंग ड्यूरिंग द पैंडमिक ऑफ कोविड-.19 जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड ई-लर्निंग रिसर्च https://doi.org/10.20448/journal.509.2020.73.285.292

5. जिंदल,ए.एंड चहल, डॉ. वी.पी.एस. (2018), " चैलेंजिज एंड ओपर्चुनिटी फॉर ऑनलाइन एजुकेशन इन इंडिया", प्रमाण रिसर्च जनरल, (2018) https://www.pramanaresearch.org/
6. द इम्पेक्ट ऑफ़ ऑनलाइन लर्निंग स्ट्रेटीज ऑन स्टूडेंट्स एकेडेमिक परफोर्मेंस . https://www.intechopen.com/chapter/74314CBS Publicatoin &Distributors PVT.LTD
7. द इम्पेक्ट ऑफ़ ऑनलाइन लर्निंग ड्यूरिंग कोविड-19 : स्टूडेंट्स एंड टीचर्स पर्सेटीव
8. लोने जेड.ए.(2017)इम्पेक्ट ऑफ़ ऑनलाइन एजुकेशन इन इंडिया,इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इन्जीनियरिंग साइंस एंड कंप्यूटिंग. https://ljesc.org/
9. हुद्दार,एस.एम.,चावरकर,एस.पी.,पाटिल,बी.यू. (2023) "इक्म्पेक्ट ऑफ़ ऑनलाइन एजुकेशन लर्निंग",जर्नल ऑफ़ एडवांस जूलॉजी ISSN:0253-7214 Volume 44 Issue S-8Year 2023 Page 183-187